मा. मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में

राज्य स्तरीय वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन - 2025

का विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सफल आयोजन

योगी आदित्यनाथ, मा० मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश, जी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन-2025 का आयोजन दिनाक 27 एवं 28 दिसम्बर 2025 को एन.आई.सी. विडियो कांफ्रेंसिंग माध्यम से पुलिस मुख्यालय (सिग्नेचर बिल्डिंग) में किया गया। सम्मेलन में प्रमुख सचिव, गृह, उ०प्र०, पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० पुलिस एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभाग किया तथा समस्त जनपदों के जिला अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा एन.आई.सी. जिला केंद्र से विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सत्रों में प्रतिभाग किया गया।

उक्त सम्मेलन को सकुशल संपन्न कराने में एन.आई.सी. उ०प्र० विडियो कांफ्रेंसिंग/नेटवर्क टीम ने अहम् भूमिका निभाई। श्री. आशेष अग्रवाल, राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, एन.आई.सी. उ०प्र० एवं श्री अंशु रोहतगी, वरिष्ठ निदेशक (आई.टी.)/ विभागध्यक्ष (नेटवर्क एवं वी.सी.) के मार्गदर्शन में विडियो कांफ्रेंसिंग विभाग से श्री. ओम नारायण चौरसिया, डिप्टी डायरेक्टर (आई.टी.)/स्टेट कार्डीनेटर (नेटवर्क एवं वी.सी.), श्री. गौरव मिश्रा, वैज्ञानिक अधिकारी (सी.एम./सी.एस./होम वी.सी.) एवं प्रगति प्रोजेक्ट इंजिनीयर्स श्री. मनिंदर शुक्ला एवं श्री. मृगांक राय तथा एन.आई.सी. जिला केंद्र से समस्त एन.आई.सी. अधिकारियों एवं एन.एफ.ई. ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में अहम् योगदान दिया। इसके अतिरिक्त एन.आई.सी. नई दिल्ली, विडियो कांफ्रेंसिंग विभाग से भी तकनीकी सहयोग लिया गया।

मा० मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश के आरंभिक संबोधन के बाद प्रथक-पृथक सत्रों में विभिन्न प्रवक्ताओं द्वारा भिन्न भिन्न विषयों पर प्रस्तुतीकरण किया गया। पुलिस मुख्यालय में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान यक्ष एप का लोकार्पण मा० मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया तथा विभिन्न पुलिस सुधारों के बारे में बताया गया। एन.आई.सी. मुख्यालय से श्री शशि कांत शर्मा, डी.डी.जी. द्वारा एन.आई.सी. जिला केंद्र से विडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा व्याख्याता के रूप में प्रतिभाग करते हुए प्रस्तुतीकरण दिया गया।

सम्मेलन गैलरी

मुख्यमंत्री ने किया वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के **सम्मेलन** का शुभारंभ

चेन स्नैचिंग जैसे अपराधों पर भी कड़े एक्शन से दें बड़ा संदेश : मुख्यमंत्री

- सीएम योगी ने थाना प्रबंधन को बताया पुलिसिंग की रीढ़ प्रभारियों की तैनाती सिर्फ मैरिट पर हो
- अनावश्यक राजनीतिक हस्तक्षेप करें खारिज स्टेटस सिंबल के रूप में अधिकारी न दें सुरक्षा व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ: पुलिस मुख्यालय पर शनिवार से शुरू हुए दो दिनी 'पुलिस मंथन' का शुभारंभ करने के साथ पहले दिन सभी सात सत्रों में उपस्थित रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विशेष रूप से कहा कि चेन स्नैचिंग, लूट, महिलाओं के खिलाफ अपराध से जनता में असुरक्षा का भाव पैदा होता है। आए दिन होने वाले ऐसे अपराधों पर भी पुलिस त्वरित एक्शन और कड़ी कारवाई कर बड़ा संदेश दे सकती है। इसी से लोगों की धारणा में बदलाव आएगा। थाना प्रबंधन को पुलिसिंग की रीढ़ मानते हुए उन्होंने साफ किया कि प्रभारियों की तैनाती सिर्फ मैरिट के आधार पर की जाए। अनावश्यक राजनीतिक हस्तक्षेप को सिरे से खारिज करने के लिए कहा। कहा कि सुरक्षा व्यवस्था आवश्यकतानुसार दें, न कि स्टेटस सिंबल के रूप में।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस का माडल देश-दुनिया में सराहा जा रहा है। तकनीकी दक्षता, विश्वस्तरीय ट्रेनिंग, संवेदनशील और जवाबदेह पुलिस से अपराधी कांप रहे हैं और जनता का विश्वास बढ़ता जा रहा है। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर तैनात चौकीदारों को पुलिस बीट व्यवस्था से प्रभावी रूप से जोड़कर अपराध नियंत्रण की सीख दी। कहा कि बीट पुलिस के प्रमुख आरक्षी व दारोगा ग्राम स्तर पर प्रभावी जनसंपर्क से आपसी भरोसा बढ़ा सकते हैं। कानून-व्यवस्था को जमीनी स्तर पर मजबूत कर इसे प्रभावी माडल के रूप में पेश कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन शक्ति की सफलता में पुलिस के अलावा संबंधित विभागों के आपसी समन्वय का भी योगदान है। उन्होंने महिलाओं को आंतरिक व बाह्य दोनों स्तरों पर सुरक्षा देने के लिए कहा। सार्वजनिक स्थलों, बाजारों व कार्यस्थलों पर एंटी रोमियो स्क्वाड और महिला बीट द्वारा सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। महिला बीट को स्थानीय स्तर पर नियमित रूप से महिलाओं के साथ संवाद करने व टोल-फ्री सहायता नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर महिलाओं को त्वरित सहायता प्रदान करने की हिदायत दी।

योगी ने 50 हजार पुलिसकर्मियों को थानों में तैनात करने, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग माडल के आधुनिक थाने, पार्किंग, बैरक, पब्लिक-सर्विस स्पेस जैसी सुविधाओं को विकसित करने पर जोर दिया। कहा कि बेहतर प्रशिक्षण से पुलिस बल अधिक दक्ष, अनुशासित और जनसंवेदनशील बन रहा है। मुख्यमंत्री ने पुलिस लाइंस को जन-जागरुकता व सामाजिक सहभागिता के केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए कहा। कारागार में निरुद्ध कुख्यात माफिया व संगठित अपराधियों पर कड़ी निगरानी के निर्देश देते हुए कहा कि न्यायालय में उनकी उपस्थिति वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनिश्चित की जाए। फारेंसिक क्षेत्र में क्षमता-वृद्धि के लिए नवनियुक्त पुलिस कार्मिकों को विशेष प्रशिक्षण देने की बात कही। वाराणसी में प्रस्तावित 50 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जा रहे सेंटर को फारेंसिक संस्थान से जोड़कर आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

शनिवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम 'पुलिस मंथन' के दौरान यक्ष एप का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • सूचना विभाग

बीसी सखियों की मदद से करें जागरूक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में मात्र चार विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं (एफएसएल) थीं। वर्ष 2017 के बाद आठ नई विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं स्थापित की गईं, जबकि अन्य छह का निर्माण जारी है। मुख्यमंत्री ने साइबर अपराध से बचने के लिए उचित कार्यवाही करने एवं बीसी सखी से समन्वय कर गांवों में लोगों को जागरूक करने के लिए कहा। उधर, पहले दिन सभी सात सत्रों के दौरान एक-एक वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी ने अपनी टीम के साथ विषय विशेष पर प्रजेंटेशन दिया।

एआइ से अपराधियों को खोजेगा यक्ष एप

लखनऊ: कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने यक्ष एप का लोकार्पण किया। एप के प्रजेंटेशन से पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। यह एप एआइ के जरिए अपराधियों की लोकेशन, उनकी आवाजाही, आवाज व अपराध की प्रकृति समेत सभी पहलुओं का पीछा करेगा। तकनीकी दक्षता की वजह से यह एप संगठित गिरोहों को भी उखाड़ फेंकने में कारगर होगा। एप पर बीट कर्मचारी प्रत्येक अपराधी का सत्यापन करेंगे। • पेज 9

7 सत्रों में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पुलिस मंथन के पहले दिन दिए प्रजेंटेशन

आतंकी गतिविधियों पर रखें नजर : योगी

सीएम ने कहा- कौन कैसा अफसर है...सबकुछ पता चलता है, कानून का राज हुआ, तभी निवेश बढ़ा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की तरफ से प्रदेश में बढ़ने वाली आतंकी गतिविधियों और नशीले पदार्थों की तस्करी पर पूरी तरह से अंकुश लगाएं। सीमा सुरक्षा व आतंकवाद निरोधक तंत्र को तकनीकी रूप से मजबूत करें। साथ ही उन्होंने गो तस्करी के गिरोहों पर बेहद सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम पुलिस मंथन कार्यक्रम में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि जब किसी अच्छे अफसर का ट्रांसफर होता है तो मेरे पास फीडबैक आता है कि ये बहुत शानदार अधिकारी थे। जब कोई गलत व्यक्ति हटाया जाता है तब जनता बताने आती है कि आपने अच्छा किया। बड़ी बला टाल दी, उस अफसर ने जीना हराम कर रखा था। बहुत भ्रष्ट था। मतलब दोनों तरह की बातें मुझ तक पहुंचती हैं। इसलिए जरूरी है कि हर अफसर जनता के लिए बेहतर कार्य करें।

सीएम ने कहा कि एक वक्त जब यूपी में दंगे होते थे। महीनों कर्फ्यू लगते थे, लेकिन पिछले आठ साल में सूरत बदली। भय का माहौल खत्म हुआ। लोगों को सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा। उसी का नतीजा है कि प्रदेश में निवेश बढ़ा। सीएम ने कहा कि आज प्रदेश में 55 फीसदी एक्सप्रेसवे हैं। एयर कनेक्टिविटी का विस्तार हुआ। सबसे बड़ा एयरपोर्ट भी यूपी में है।

पुलिस मुख्यालय में आयोजित दो दिवसीय पुलिस मंथन कार्यक्रम का हुआ समापन

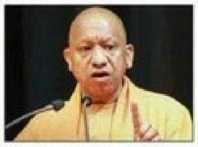

चेहरा या जाति-धर्म देखकर नहीं दिया रोजगार व योजनाओं का लाभ

सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसी का चेहरा, जाति या धर्म देखकर उसको रोजगार नहीं दिया। न ही जन कल्याणकारी योजनाओं को उन तक पहुंचाने में कोई भेदभाव किया गया। लेकिन जिसने कानून से खिलवाड़ करने का प्रयास किया उसको सबक सिखाया गया। ताकि कानून का राज स्थापित हो।

थाना, सर्किल, पुलिस लाइन में हो समन्वय : सीएम ने कहा कि थाना, सर्किल, पुलिस लाइन में समन्वय बेहद जरूरी है। घटना होने पर थानेदार को जवाबदेह बनाया जाता है। लेकिन सर्किल की भूमिका पर ध्यान नहीं दिया जाता। कानून-व्यवस्था बनाए रखने में तीनों का बेहतर समन्वय बेहद जरूरी है। साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस बल का व्यवहार आम जनता से संवेदनशील होना चाहिए। तभी लोगों की धारणा पुलिस के प्रति बदलती है।

...तो महाकाल भी सहयोग करेंगे

सीएम ने कहा कि अक्सर होता है कि व्यक्ति महाकाल का शिकार क्यों होता है? क्योंकि वह काल का ध्यान नहीं देता है लेकिन यहां पर मुझे लगता है कि आपने काल का ध्यान रखा है तो महाकाल भी आपका सहयोग करेंगे। सीएम ने कहा कि तीन नए कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा व भारतीय साक्ष्य अधिनियम को समझें और लोगों को जागरूक करें।

इन पुलिसकर्मियों को मिले पदक

कार्यक्रम में 2022 से 2025 तक के मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पुलिस पदक हासिल करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया।

प्रभाकर चौधरी डीआईजी अलीगढ़	शैलेश कुमार पांडेय डीआईजी आगरा	अनुराग आर्य एसएसपी बरेली	कृष्ण कुमार एसएसपी संभल
विनय चंद्रा एएसपी	विशाल विक्रम सिंह एएसपी एसटीएफ	विमल कुमार सिंह डीएसपी एसटीएफ	प्रमेश शुक्ला डीएसपी एसटीएफ
रविंद्र प्रताप सिंह इंस्पेक्टर	दिनेश कुमार डोडियाल, इंस्पेक्टर	मनु चौधरी इंस्पेक्टर	विशाल सांगरी इंस्पेक्टर
मनोज कुमार हेड कांस्टेबल	अरुण कुमार हेड कांस्टेबल	शैलेश कुंतल सिपाही	प्रियांशी प्रजापति सिपाही